

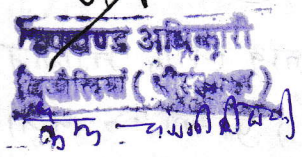
तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
15/11/18	<p>पत्रावली पेश हुई। <del>आवेदनकर्ता</del> प्रतिवादी उपस्थित श्रीमान P.O. सा. दौरे पर हैं। पत्रावली दिनांक 15/11/18 को वास्ते <del>30</del> पेश हो।</p> <p><i>[Signature]</i> उप खण्ड अधिकारी</p>	
15/11/18	<p>पत्रावली पेश हुई। <del>आवेदनकर्ता</del> प्रतिवादी उपस्थित श्रीमान P.O. सा. दौरे पर हैं। पत्रावली दिनांक 12/11 को वास्ते <del>30</del> पेश हो।</p> <p><i>[Signature]</i> उप खण्ड अधिकारी</p>	
12-4-18	<p>पत्रावली पेश हुई। श्रील प्रवीण उर्फ प्रहलद के पुत्र बरक उरी गरी पत्रावली वास्ते आदेश 5-6-18 का क्रम - याचनी की हानि पर पेश हो।</p>	
5-6-24/18	<p>पत्रावली राजम लोक अगलात केन्द्र - याचनी की हानि पर प्रहलद उर्फ प्रारणपद पत्रावली का वास्ते आदेश अदालत के क्रम गदारी प्रार्थना पत्र है कि गुप्त - याचनी की हानि स्थिति प्रार्थना के अधिकार स्वाधिकार की आराजीदार 1078/245 स्कला 11 बीका स्थिति है विपक्षीगण राजादमतौर पर प्रार्थना की 2 बीका 24 दि पर पत्रों की हानि लागू रही है मना करने पर - याचनी का हरे हरे कि अधिकार 2 बीका पर ही कक्षा क्रिया है मज 11 की बीका पर कले कले। जितने सिद्धी के लेने की मांग है विपक्षीगणों के विरुद्ध 21-9-2018 की वाक्य 5 नम गैर धारणी राते के हक परीफ</p>	<p><i>[Signature]</i></p> <p><i>[Signature]</i></p> <p>उप खण्ड अधिकारी कोलकाता (बी.बी.)</p>

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर अहकाम हुक्म की में जारी हु
----------------	------------------------------------	---

कार्यवाही के आदेश पारित किये हैं  
 प्रकार एकपक्षीय है करत विधान  
 आदेशों जहाँ की बुनी गई प्रकार में पूर्व  
 212 R.G. में आदेश लिखे जा जाये होनेवाला  
 आदेश की प्रति संलग्न की है प्राचीन कार्यालय  
 काश्ताका (ए जनादंगी) सन् 2007 की फोटो प्रति संलग्न  
 है मूल वाद प्रकार 183 R.G. का न्यायालय  
 में निचाराधीन है मामले में एक रितीनी में शक्ति  
 लेने से पूर्व आदेश लिखे जा है विधीगणों की  
 पालन करना उचित समझते हैं

अतः प्रकृत प्रारणपत्र मर कर स्वीकार  
 किया जाता है कि विधीगण मूल वाद पत्र के  
 निम्नान्त तक गुण चंगरी प्रतीति की प्रतीति के लिये  
 की आदेशी नया 1008/245 रकम 11 वीज्च 48  
 फस्ता व प्राचीन का काश्त है बाका नही दृष्टाये।

प्रारणपत्र नया है कर किया जाता शुभार  
 फेशल है


  
 न्यायाधीश (अधीनस्थ)  
 कोर्ट - चण्डीगढ़